

## पद १४२

(रागः यमन जिल्हा - तालः त्रिताल)

धनुख बान लीनो सियारघुबीर ॥ध्रु.॥ रूप सुंदर माथे मुगुट बिराजे ।  
खैंचे कमान कोमल शरीर ॥१॥ मानिक कहे प्रभु देख भूप । करे  
अपमान जो नर ॥२॥